Rapid Fire (करेंट अफेयर्स): 11 सितंबर, 2023

क्राउन शायनेस

शीतोष्ण पर्णपाती वनों में शिखर शीलता (Crown Shyness) एक आम घटना है, जहाँ **कुछ पेड़ों के शीर्ष एक-दूसरे को नहीं छूते** हैं, जिससे उनके बीच अंतराल बन जाता है।

- यह पेड़ों की कई प्रजातियों में देखा जाता है, जैसे कि **ब्लैक मैंग्रोव, कर्पूर और जापानी लार्च।**
- वैज्ञानिकों के पास यह समझाने के लिये अलग-अलग परिकल्पनाएँ हैं कि शिखर शीलता की स्थिति क्यों होती है, जैसे कि **प्रकाश के आवगम में सरलता, रोग-संचरण को रोकना या हवा से होने वाली भौतिक क्षति से बचना।**
- शिखर शीलता में जटिल पैटर्न बनते हैं और यह **वन में प्रकाश के प्रवेश** को बढ़ाता है।

भारत-फ्राँस द्विपक्षीय नौसेना अभ्यास 'वरुण' का 21वाँ संस्करण

भारतीय और फ्राँसीसी नौसेनाओं के मध्य द्विपक्षीय नौसैनिक अभ्यास **वरुण-23** का **दूसरा चरण अरब सागर** में संपन्न हुआ।

- इस अभ्यास में दोनों पक्षों के **निर्देशित मिसाइल फ्रिगेट, टैंकर, समुद्री गश्ती विमान** तथा अभिन्न हेलीकॉप्टर शामिल थे।
- यह विगत वर्षों में **भारत एवं फ्राँस** के मध्य मज़बूत रणनीतिक संबंधों के प्रतीक के रूप में विकसित हुआ है। यह वर्ष **1993** में शुरू हुआ था तथा **आधिकारिक तौर पर** इसे वर्ष **2001 में नामित** किया गया।

उस्ताद अली ज़ाकी हैदर

- प्रसिद्ध रुद्र वीणा वादक, उस्ताद असद अली खान के शिष्य, **उस्ताद अली ज़ाकी हैदर ध्रुपद के जयपुर बीनकर घराने की खंडरबानी शैली** के अंतिम प्रतिपादक थे।
    - ध्रुपद के जयपुर बीनकर घराने की खंडारबानी शैली एक संगीत परंपरा है, **शाहजी साहब ने इसकी शुरुआत 18वीं शताब्दी में की थी।**
- रुद्र वीणा एक **पारंपरिक तार वाद्य यंत्र है जिसकी उत्पत्ति उत्तर भारत में हुई** है। यह बाँस, सागौन की लकड़ी, धातु, कद्दू और अन्य सामग्रियों से बना होता है।

हुंगा-टोंगा-हुंगा-हापाई ज्वालामुखी

- एक हालिया अध्ययन से पता चलता है कि **जनवरी 2022 में हुंगा-टोंगा-हुंगा-हापाई ज्वालामुखी** विस्फोट के दौरान चट्टानें और राख तेज़ी से समुद्र में गिर गईं, जिससे **जल के नीचे एक उच्च गति और विनाशकारी मलबे का प्रवाह देखा गया।**
- हुंगा-टोंगा-हुंगा-हापाई ज्वालामुखी दक्षिण प्रशांत महासागर में एक **जलमग्न ज्वालामुखी** है। यह टोंगा के मुख्य द्वीप टोंगाटापू से 40 मील उत्तर में स्थित है।
    - इस ज्वालामुखी का निर्माण वर्ष 2015 में तब हुआ था जब एक मध्यम विस्फोट के कारण दो निर्जन द्वीप एक हो गए थे।
    - ज्वालामुखी **केरमाडेक-टोंगा प्रविष्टन क्षेत्र** का हिस्सा है, जहाँ प्रशांत प्लेट, इंडो-ऑस्ट्रेलियाई प्लेट के नीचे बलपूर्वक प्रविष्ट होती चली जाती है, जिससे ज्वालामुखियों और द्वीपों की एक लंबी शृंखला बनती है।

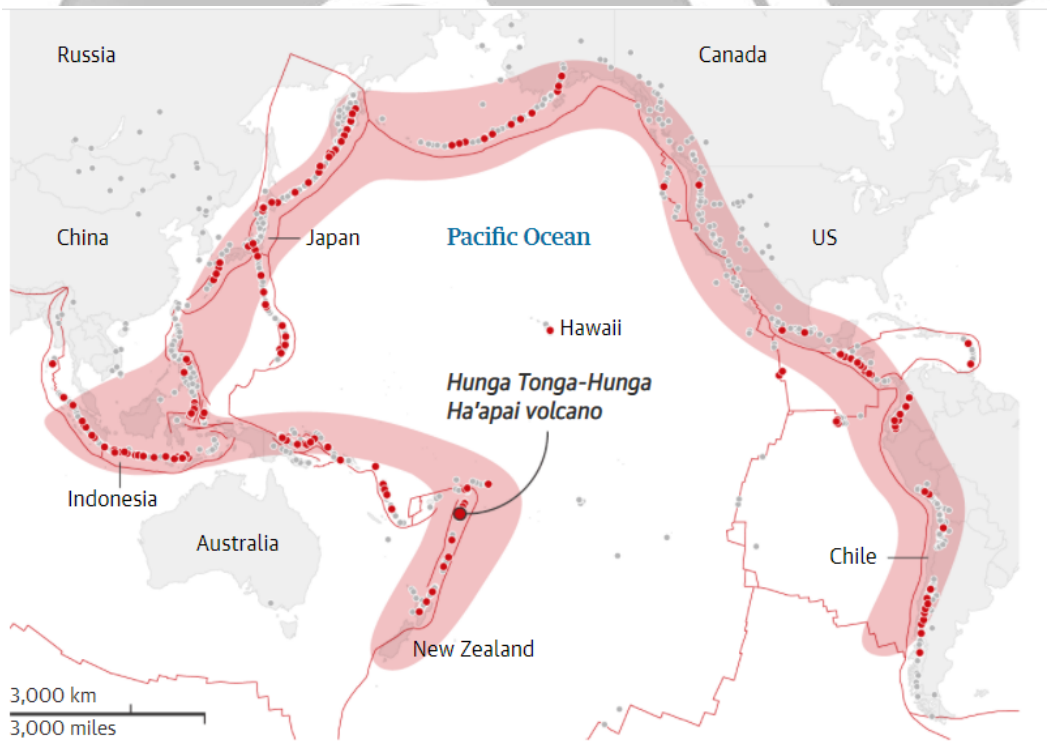

और पढ़ें...टोंगा में ज्वालामुखी विस्फोट

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/rapid-fire-current-affairs-11-september,-2023